महोत्सव | छपडौर धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने लिया संत सरन जू महाराज का आशीर्वाद, उमरिया, डिण्डौरी, शहपुरा, अमरपुर में हुए विविध धार्मिक आयोजन

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

छपडौर, नवभारत। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हनुमन्त कुंज आश्रम, छपडौर में श्री 1008 संत सरन जू महाराज के सान्निध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। प्रात: 8 बजे से ही हजारों श्रद्धालुओं ने छपडौर धाम पहुंचकर गुरुदेव भगवान की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम की शुरुआत कुटी आश्रम से हनुमान मंदिर तक निकाली गई भव्य प्रभात यात्रा से हुई। ढोल-नगाड़ों और जयघोष के बीच निकली इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसके पश्चात मंच पर विराजमान पूज्य गुरुदेव का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजन एवं आरती संपन्न हुई।

भंडारे का किया गया आयोजन-देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें घी की पूड़ी, खीर, कढ़ी, चावल, दाल एवं विभिन्न प्रकार की सब्जियों से तैयार प्रसाद सभी भक्तों ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया।

भजन संध्या रही आकर्षण का केंद्र-कार्यक्रम का विशेष आकर्षण गुरुदेव के प्रमुख सेवादार नीलेश द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण भजन संध्या रही। उनके मधुर भजनों से श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। इस अवसर पर छपडौर, उर्दना, मानपुर, बल्हौन, शहडोल, ब्यौहारी, रीवा, दिल्ली, मुंबई सहित देश के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। दिनभर आश्रम परिसर में भक्तों के आगमन का सिलसिला जारी रहा।

आत्मिक शांति एवं नई ऊर्जा प्राप्त होती है-श्रद्धालुओं ने कहा कि संत सरन जू महाराज की कृपा और आध्यात्मिक मार्गदर्शन से उन्हें आत्मिक शांति एवं नई ऊर्जा प्राप्त होती है। गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपने पूज्य गुरुदेव के प्रति अटूट श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके श्रीचरणों में नमन किया।

गुरु पूर्णिमा पर एमआरएफ सेंटर में रोपे गए पौधे

नौरोजाबाद 29 जुलाई। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद नौरोजाबाद द्वारा एमआरएफ सेंटर परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ 500 पौधों का वृहद पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद ज्ञानसिंह रहे। इस अवसर पर एल्डरमैन झालानारेश पटेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिव प्रसाद धुर्वे, पेंशन एसोसिएशन के अध्यक्ष जसवंत सिंह सरदार, स्वच्छता प्रभारी कालीचरण महोबिया सहित नगर पालिका के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

पौधों की देखभाल की अपील की-सभी अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित भविष्य की नींव भी रखते हैं।

पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणादायक पहल-पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और जनसहभागिता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आयोजित यह हरित अभियान नगर में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ। नगरवासियों ने भी पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का संकल्प लेकर इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संस्कार भारती ने मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव

चिल्हारी नवभारत 29 जुलाई। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संस्कार भारती जिला इकाई उमरिया द्वारा गुरु पूर्णिमा उत्सव शासकीय हाईस्कूल बचहा में मनाया गया। इसमें उपस्थित संस्कार भारती के सदस्यों द्वारा गुरु पूर्णिमा के महत्व को बताया गया और गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष केशव प्रसाद गुप्ता, महामंत्री मूलचंद विश्वकर्मा, सदस्य सूर्य पाल सिंह, रवेन्द्र द्विवेदी, सखेन्द्र द्विवेदी प्राचार्य हाई स्कूल बचहा एवं विद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गुरु ज्ञान ही अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है : राधे श्याम

चिल्हारी नवभारत 29 जुलाई। गुरु पूर्णिमा गुरु और शिष्य के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। यह दिन गुरुओं के मार्गदर्शन और ज्ञान के महत्व को दर्शाता है। गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार संभव हो पाता है और गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं हो पाता। राधे श्याम महाराज ने बताया कि शास्त्रों में गुरु के अर्थ के अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश देने वाला कहा गया है। गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले होते हैं। गुरु की भक्ति में कई श्लोक रचे गए हैं, जो गुरू की सार्थकता को व्यक्त करने में सहायक होते हैं।

गुरु पूर्णिमा का महत्व

आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा 'गुरु पूर्णिमा' अथवा 'व्यास पूर्णिमा' है। लोग अपने गुरु का सम्मान करते हैं, उन्हें माल्यार्पण करते हैं तथा फल, वस्त्र इत्यादि वस्तुएं गुरु को अर्पित करते हैं। यह गुरु पूजन का दिन होता है जो पौराणिक काल से चला आ रहा है। सही मायने में हम जिस भी व्यक्ति से कुछ भी सीखते हैं, वह हमारा गुरु हो जाता है और हमें उसका सम्मान अवश्य करना चाहिए।

जीवन का मार्गदर्शक होता है गुरु

गुरु केवल एक शिक्षक ही नहीं है, अपितु वह व्यक्ति को जीवन के हर संकट से बाहर निकलने का मार्ग बताने वाला मार्गदर्शक भी है। गुरु ही साक्षात महादेव है, क्योकि वह अपने शिष्यों के सभी दोषों को माफ करता है। गुरु का महत्व सभी दृष्टि से सार्थक है। आध्यात्मिक शांति, धार्मिक ज्ञान और सांसारिक निर्वाह सभी के लिए गुरु का दिशा निर्देश बहुत महत्वपूर्ण होता है।

अमोलेश्वरधाम आश्रम में मनाया गुरु पूर्णिमा महापर्व

शहपुरा नवभारत 29 जुलाई। डिंडौरी एवं उमरिया जिले की सीमा पर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र अमोलेश्वरधाम (अमोलखोह) आश्रम में बुधवार को गुरुपूर्णिमा महापर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। महापर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं शिष्यों ने अपने श्री 1008 भगतगिरी बच्चू बाबा महाराज का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महंत रतनगिरी महाराज द्वारा गुरु पूजन एवं आरती के साथ हुआ।

मानव कल्याण का संदेश दिया-इसके बाद भगतगिरी बच्चू बाबा महाराज ने अपने प्रवचनों में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए धर्म, सेवा, सदाचार और मानव कल्याण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु का मार्गदर्शन व्यक्ति के जीवन को सही दिशा प्रदान करता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है।

भजन कीर्तन का भी हुआ आयोजन-महापर्व के दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति भाव से शामिल हुए। आश्रम परिसर दिनभर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम के समापन पर कन्या-भोजन, संत-भोजन तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

शास. महाविद्यालय करंजिया में गुरु पूर्णिमा का आयोजन

करंजिया, नवभारत 29 जुलाई। विगत दिवस शासकीय महाविद्यालय करंजिया, जिला डिंडोरी में प्राचार्य प्रमोद कुमार वास्पे के मार्गदर्शन में गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संत डॉ. दामोदरानंद महाराज एवं पंडित कंछेदीलाल शुक्ल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में राजकुमार मोंगरे (जिला अध्यक्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा, भाजपा), जगदीश सिंह धुर्वे (पूर्व जनपद सदस्य, करंजिया), पुष्पेंद्र सिंह (वरिष्ठ समाजसेवी) तथा मीडिया प्रतिनिधि तरुण रनवास उपस्थित रहे।

माता की महत्ता पर प्रकाश डाला-अपने उद्बोधन में राजकुमार मोंगरे ने माता की महत्ता एवं उनके जीवन में अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए संस्कारों के महत्व को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि संत डॉ. दामोदरानंद महाराज ने आध्यात्मिक दृष्टिकोण से चेतन एवं अवचेतन मन की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सकारात्मक विचार, आत्मचिंतन एवं आध्यात्मिक साधना के माध्यम से व्यक्ति अपने अवचेतन मन पर नियंत्रण प्राप्त कर जीवन को सफल एवं सार्थक बना सकता है।

राष्ट्रगान के साथ हुआ समापन-कार्यक्रम का संचालन डॉ. केके द्विवेदी द्वारा किया गया। अंत में डॉ. प्रीती पाण्डेय ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हनुमंत कुंज आश्रम में गुरू पूर्णिमा पर हुआ धार्मिक आयोजन

चिल्हारी उमरिया, नवभारत 29 जुलाई। जिले के मानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छपडौर स्थित तपोस्थली हनुमंत कुंज आश्रम (शिवपुरी) में गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूज्य पाद श्री श्री 1008 श्री संत शरण जू महाराज सद्गुरुदेव भगवान के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। महोत्सव का शुभारंभ सद्गुरुदेव भगवान के विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर सद्गुरुदेव भगवान ने अपने शिष्यों एवं श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा, सेवा, भक्ति और सदाचार का संदेश दिया।

हजारों श्रद्धालुओं ने लिया सद्गुरुदेव का आशीर्वाद-पूज्य पाद श्री श्री 1008 श्री संत शरण जू महाराज (सद्गुरुदेव भगवान) लगभग 98 वर्ष की आयु में भी निरंतर धर्म, अध्यात्म और मानव सेवा के मार्ग पर अग्रसर हैं। उनकी तपस्या, सरल जीवनशैली और आध्यात्मिक उपदेशों से प्रेरित होकर देशभर से श्रद्धालु उनके दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हनुमंत कुंज आश्रम पहुंचते हैं। आश्रम एक प्रमुख तपोस्थली के रूप में विख्यात है, जहां सद्गुरुदेव भगवान ने वर्षों तक कठोर तपस्या की। प्रत्येक वर्ष नवंबर माह में उनका भव्य एवं दिव्य तुलादान जन्मोत्सव मनाया जाता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचकर दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

बरुआ नाला बना क्षेत्रवासियों के लिए मुसीबत का सफर

चार साल से पुलिया का इंतजार, बरसात में बस्ती का टूट जाता है संपर्क

मानपुर नवभारत 29 जुलाई। नगर परिषद मानपुर के वार्ड क्रमांक 10 स्थित बरुआ नाला पर पुलिया का निर्माण चार वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं हो सका है। पुलिया के अभाव में हर बरसात स्थानीय नागरिकों, विशेषकर आदिवासी बस्ती के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार नगर परिषद मानपुर और जिला प्रशासन से पुलिया निर्माण की मांग की गई, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात के दौरान बरुआ नाला उफान पर आ जाता है, जिससे नाले के उस पार रहने वाले आदिवासी परिवारों का मुख्य मार्ग से संपर्क पूरी तरह टूट जाता है।

बस्ती तक पहुंचने का एकमात्र मार्ग है-ग्रामीणों का कहना है कि यह बस्ती तक पहुंचने का एकमात्र मार्ग है। बारिश के समय नाले में पानी बढ़ने पर एम्बुलेंस, मोटरसाईकिल और अन्य वाहन भी नहीं पहुंच पाते। ऐसे में किसी मरीज, गर्भवती महिला या अन्य आपात स्थिति में समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना कठिन हो जाता है।

आवेदन देने के बावजूद ठोस कार्यवाही नहीं-वार्डवासियों के अनुसार बरुआ नाला पर पुलिया निर्माण के लिए कई बार नगर परिषद मानपुर एवं जिला कलेक्टर को आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से शीघ्र पुलिया निर्माण कराए जाने की मांग की है।

विधायक निधि से बनाया जाना चाहिए पुल : रोशनी

मानपुर। जनपद सदस्य रोशनी सिंह ने भदार नदी पर पुल निर्माण के संबंध में प्रशासन द्वारा किए गए निरीक्षण का स्वागत करते हुए कहा कि यह क्षेत्र के जागरूक नागरिकों एवं पत्रकारों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि वर्षों पुरानी इस जनसमस्या पर प्रशासन ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि मानपुर विस क्षेत्र का लगभग 20 वर्षों से प्रतिनिधित्व करने और प्रदेश में लगभग 25 वर्षों से भाजपा सरकार होने के बावजूद भदार नदी पर आज तक पुल का निर्माण नहीं हो सका। उन्होंने प्रश्न उठाया कि आखिर क्षेत्र की इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई। रोशनी सिंह ने कहा कि हर वर्ष बरसात के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होती है। मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों एवं ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है।

बरगांव में मेधावी विद्यार्थियों और शिक्षकों का किया गया सम्मान

शहपुरा नवभारत 29 जुलाई। जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बरगांव स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरगांव में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

मुख्य अतिथि जनपद पंचायत सदस्य कीर्ति भीमशंकर साहू रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच गुड्डी बाई बनवासी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नत्थू लाल बनवासी, पत्रकार भीमशंकर साहू, भाजपा मंडल मंत्री विजय राजा साहू तथा विद्यालय के प्राचार्य रोशन झारिया उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च : साहू-मुख्य अतिथि कीर्ति भीमशंकर साहू ने अपने संबोधन में गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों का सम्मान करने और उनके बताए मार्ग पर चलकर जीवन में सफलता प्राप्त करने का संदेश दिया। वरिष्ठ अध्यापक देवेन्द्र कुमार साहू ने महर्षि वेदव्यास और महर्षि सांदीपनि के आदर्शों का उल्लेख करते हुए उनके ज्ञान, संस्कार और गुरु-शिष्य परंपरा में योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक मूलचंद साहू ने किया तथा अंत में सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को ग्राम पंचायत की ओर से सम्मानित किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा विद्यालय के सभी शिक्षकों का शॉल, श्रीफल एवं कलम भेंट कर सम्मान किया गया।

मरीजों से करें विनम्र व्यवहार, दें गुणवत्तापूर्ण सेवा

क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. जीएस परिहार ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

नवभारत उमरिया 29 जुलाई। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रीवा डॉ. जीएस परिहार ने गत दिवस जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की।

उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, एनआरसी, एसएनसीयू, प्रसूति वार्ड, ऑपरेशन थियेटर और इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया तथा मरीजों से संवाद कर उपचार व्यवस्था की जानकारी ली। इस मौके पर डॉ. परिहार ने नर्सिंग स्टाफ को मरीजों के साथ विनम्र व्यवहार करने और एनक्वास प्रमाणन के मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं बनाए रखने के निर्देश दिए।

कार्यक्रमो का हो प्रभावी संचालन-समीक्षा बैठक मे प्रथम तिमाही मे गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, शिशुओं के पूर्ण टीकाकरण तथा आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से नवविवाहित दंपतियों की पहचान कर एनीमिया एवं सिकल सेल जांच कराने पर जोर दिया गया। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारियों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन के निर्देश भी दिए गए।

स्वास्थ सेवाओं की ली जानकारी-सीएमएचओ डॉ. वीएस चंदेल ने जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में डॉ. रिचा गुप्ता, डॉ. बीके प्रजापति, डॉ. एसके निपाने, डॉ. सीपी शाक्य, डॉ. संदीप सिंह, डॉ. मुकुल तिवारी, डॉ. बी. वर्मा, डॉ. एनपी जैसल, डॉ. पीएल सागर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक दशन पन्द्राम तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जर्जर पुराने भवन में निवास करने को मजबूर कर्मचारी

अमरपुर नवभारत 29 जुलाई। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में बने लगभग 40-45 वर्ष पुराने शासकीय भवनों का रख रखाव एवं संचालन की जिम्मेदारी जनपद पंचायत की रही हैं। साथ ही पूर्व में जिनके आवंटन की जिम्मेदारी भी जनपद पंचायत की ही रही।

शासकीय भवनों की स्थिति वर्तमान समय में अत्यंत जर्जर होने की दशा में कुछ आवास पूर्ण रूप से खाली पड़े हुए हैं। वहीं पर दो शासकीय भवनों में निवासरत कर्मचारियों के द्वारा पूरे भवन में तिरपाल से ढक दिया गया हैं। जोकि ऊपर से देखने में यह समझ नहीं आ रहा हैं कि भवन छप्पर वाला हैं या फिर छत वाला हैं।

छत से टपक रहा पानी-इस भवन में निवासरत कर्मचारी अपने जान हथेली में रखकर यहां रहने पर मजबूर हो रहे हैं। उक्त भवनों में पूरे छत से पानी का रिसाव होने की वजह से तिरपाल से ढक दिया गया हैं। उक्त भवनों में अनेकों वर्षों से पानी के रिसाव से लेंटर में लगी लोहे की सरिया भी जंग लग रहा है। वहीं अभी तक शासन से मरम्मत कार्य नहीं कराया जा सका हैं।

किराए का मकान जेब पर बढ़ा रहा आर्थिक बोझ-मुख्यालय में शासकीय आवास ना होने की स्थिति में सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी जिला मुख्यालय डिंडौरी से प्रतिदिन आवागमन करने पर मजबूर हो रहे हैं। जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। अधिकांश अधिकारी एवं कर्मचारियों को जिला मुख्यालय एवं अन्य जगहों से आकर अपनी सेवाएं देने की मजबूरी बनी हुई हैं।

कर्मचारियों ने कहा-भवनों की हो मरम्मत-इस संबंध में अधिकारी, कर्मचारियों का कहना हैं कि मुख्यालय में शासकीय आवास निर्माण होने से व्यवस्था बन सकती हैं। साथ ही पुराने भवन मरम्मत कार्य करने योग्य भी नहीं बचे हैं। समस्या को देखते हुए नवीन आवासीय भवन निर्माण कार्य कराया जाना अत्यंत आवश्यक हैं।

दुर्दशा | गेट पर ताला, भूखी प्यासी गाये, मृत गौवंशों को नोच रहे श्वान

कारोपानी की गौशाला में बदहाली का भयावह मंजर

डिंडौरी, नवभारत 29 जुलाई। जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत कारोपानी की गौशाला में बुधवार को सामने आए हालात ने गौ संरक्षण के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

नवभारत की टीम मौके पर पहुंची-स्थानीय गौसेवक की सूचना पर जब नवभारत की टीम मौके पर पहुंची तो गौशाला के मुख्य द्वार पर ताला जड़ा मिला। परिसर में कोई कर्मचारी या जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं था। गौशाला के भीतर का दृश्य बेहद चिंताजनक था।

मवेशियों के लिए नहीं था एक दिन की आवश्यकता भर का नजर आया। चारों ओर गंदगी का अंबार लगा था, जबकि रात्रि के समय रोशनी की समुचित व्यवस्था भी नहीं मिली।

भूख प्यास से तड़प रहे मवेशी-शेड के भीतर चार गाय एवं बछड़े पड़े मिले, जिनमें एक गाय मौत से जूझती दिखाई दी, जबकि दूसरी गंभीर रूप से बीमार एवं भूख-प्यास से निढाल अवस्था में पड़ी थी। इसी दौरान स्थानीय गौसेवक ने गौशाला से कुछ दूरी पर ले जाकर वह स्थान दिखाया, जहां पांच गायों के शव पड़े होने का दावा किया गया। वहां शवों को आवारा श्वानों द्वारा नोचते हुए देखा गया, जिसने पूरे घटनाक्रम को और भी भयावह बना दिया।

पर्याप्त भोजन-मवेशियों के लिए बनाई गई नांद पूरी तरह खाली पड़ी थी और गौशाला में पर्याप्त मात्रा में चारे का भी अभाव दिखाई दिया। मौके पर मौजूद भूसा भी केवल

गहने गिरवी रख चला रहे गौशाला

मामले में गौशाला संचालन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि उन्हें पिछले तीन माह से अनुदान राशि प्राप्त नहीं हुई है। महिलाओं का कहना था कि जब भी ऐसी परिस्थितियां बनती हैं तो वे अपने गहने अथवा जमीन गिरवी रखकर किसी तरह गौवंश के लिए चारा एवं अन्य व्यवस्थाएं करती हैं।

इनका कहना है

यहां पूर्व में भी इस तरह की घटनाये सामने आई है, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। लिहाजा ताज़ा हालात जिलेवासियों के सामने है। जिम्मेदार अधिकारियों को चाहिए कि मौके पर जाकर वस्तुस्थिति का जायजा लें और संधारण पंजी सहित अन्य दस्तावेज खंगाल आवश्यक कार्यवाही कर दोषियों पर कार्यवाही करे।अन्यथा गौ सम्मान आह्वान समिति को आगे आकर आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

रोहित कांस्कार, गौ सम्मान आह्वान जिला प्रभारी

निलंबित नर्स की बहाली पर अड़ीं नर्सें

जिला अस्पताल में ठप पड़ने लगी स्वास्थ्य सेवाएं, काम बंद हड़ताल से मरीज बेहाल

डिंडौरी, नवभारत 29 जुलाई। जिला अस्पताल डिंडौरी में निलंबित स्टाफ नर्स भावना चौहान की बहाली की मांग को लेकर नर्सिंग स्टाफ ने बुधवार से अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल का असर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर साफ दिखाई देने लगा है। वार्डों में मरीजों और उनके परिजनों को इलाज एवं नियमित सेवाओं के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सीएमएचओ ने जारी किया था नोटिस-ज्ञातव्य हो कि मरीज को मिनरल वॉटर मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने संबंधित स्टाफ नर्स भावना चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। साथ ही ड्यूटी डॉक्टर, बीएमओ तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 3 अगस्त तक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। नर्सिंग स्टाफ यूनियन का कहना है कि उन्होंने पहले शांतिपूर्ण तरीके से न्याय की उम्मीद करते हुए शनिवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर निलंबन समाप्त करने की मांग की थी। प्रशासन को सोमवार तक कार्रवाई का समय भी दिया गया, लेकिन कोई सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर बुधवार से काम बंद हड़ताल शुरू करनी पड़ी।

मरीजों पर सबसे ज्यादा असर-हड़ताल का सबसे बड़ा असर अस्पताल में भर्ती मरीजों और इलाज के लिए आने वाले लोगों पर पड़ रहा है। वार्डों में नर्सिंग सेवाएं प्रभावित होने से दवा वितरण, मरीजों की नियमित देखभाल और अन्य आवश्यक कार्यों में बाधा आ रही है। कई परिजनों ने अस्पताल में बढ़ी अव्यवस्था पर चिंता जताई है।

प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती-एक ओर जिला प्रशासन स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहा है, वहीं दूसरी ओर नर्सिंग स्टाफ अपनी मांगों पर अडिग है।